



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग I—खण्ड 1

PART I—Section 1

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 281]

नई दिल्ली, बुधवार, दिसम्बर 6, 2000/अग्रहायण 15, 1922

No. 281]

NEW DELHI, WEDNESDAY, DECEMBER 6, 2000/AGRAHAYANA 15, 1922

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय

(वाणिज्य विभाग)

(पाटनरोधी एवं संबद्धशुल्क महानिदेशालय)

जांच शुरूआत की अधिसूचना

नई दिल्ली, 6 दिसम्बर, 2000

विषय:- संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) और ईरान के मूल के अथवा वहाँ से निर्यात किए गए सफेद सीमेंट के आयात के संबंध में पाटनरोधी जांच शुरू करना ।

64/1/2000-डीजीएडी.— मैं 0 ग्रासिम इंडस्ट्रीज लि., और मै. जे.के. सिंथेटिक्स लिमिटेड ने सीमाशुल्क टैरिफ (पाटित वस्तुओं की पहचान, उन पर पाटनरोधी शुल्क का आकलन तथा संग्रहण एवं क्षति निर्धारण) नियम, 1995 के नियम 5(i) के अनुसार एक याचिका दायर की है, जो संयुक्त अरब अमीरात और ईरान से सफेद सीमेंट के आयात के संबंध में पाटनरोधी जांच शुरू करने के बारे में है ।

2. **घरेलू उद्योग:** यह याचिका मै. ग्रासिम इंडस्ट्रीज लि., और मै. जे.के. सिंथेटिक्स लि. द्वारा घरेलू उद्योग की ओर से दायर की गई है । याचिकाकर्ताओं ने कहा है कि इस उत्पाद का एक और उत्पादक, मै. टी.सी.एल. लि., केरल है । याचिकाकर्ता का देश में सफेद सीमेंट के कुल उत्पादन में 90% से अधिक का हिस्सा बनता है और इसलिए वह उपरोक्त नियमों के अन्तर्गत घरेलू उद्योग की ओर से याचिका दायर करने की स्थिति में है ।
3. **शामिल उत्पाद:** शामिल उत्पाद "सफेद पोर्टलैंड सीमेंट " है, जिसे आमतौर पर "सफेद सीमेंट" कहा जाता है । यह एक निर्माण सामग्री है और इसका इस्तेमाल टाइलों की फ्लोरिंग, सीमेंट आधारित बाह्य सज्जा, पेंट और सीमेंट वार्निश इत्यादि जैसे गैर-संरचनात्मक प्रयोजनों में किया जाता है । यह सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम के अध्याय 25 के उपशीर्ष 2523.21 के अंतर्गत आता है । यह सीमाशुल्क वर्गीकरण केवल सांकेतिक है और जांच के तयारे पर बाधकारी नहीं है ।

4. **शामिल देश:** याचिकाकर्ताओं ने यूएई और ईरान (जिन्हें इसके बाद सम्बद्ध देश कहा गया है) से शामिल उत्पाद के पाटन का साक्ष्य उपलब्ध करवाया है और इन देशों के खिलाफ जांच शुरू करने का अनुरोध किया है ।
5. याचिकाकर्ताओं ने दावा किया है कि उनके द्वारा उत्पादित वस्तु सम्बद्ध क्षेत्र के मूल के अथवा वहाँ से निर्यातित वस्तु के समान वस्तु है । अतः जांच के प्रयोजनार्थ याचिकाकर्ताओं द्वारा उत्पादित वस्तु को नियमों के अर्थ के भीतर सम्बद्ध क्षेत्र से निर्यातित सफेद सीमेंट (जिसे एतदपश्चात् सम्बद्ध वस्तु कहा गया है) के "समान वस्तु" के रूप में माना जा रहा है ।
6. **सामान्य मूल्य:** याचिकाकर्ता ने सम्बद्ध वस्तु की परिकल्पित उत्पादन लागत के आधार पर सामान्य मूल्य का दावा किया है । निर्दिष्ट प्राधिकारी के पास सम्बद्ध देशों में, सफेद सीमेंट के सामान्य मूल्य के बारे में पर्याप्त प्रथम दृष्टया साक्ष्य प्रस्तुत किए गए हैं ।
7. **निर्यात कीमत:** निर्यात कीमत का दावा वाणिज्यिक आसूचना एवं सांख्यिकी महानिदेशालय, कलकत्ता द्वारा संकलित आंकड़ों के आधार पर किया गया है । निवल निर्यात कीमत निकालने के लिए हैंडलिंग प्रभारों, समुद्री भाड़े, समुद्री बीमा, कमीशन, षटन हैंडलिंग इत्यादि के कारण कीमत समायोजनों का दावा किया गया है । सम्बद्ध देशों से सम्बद्ध वस्तु की निर्यात कीमत और दावा किए गए समायोजनों के पर्याप्त साक्ष्य हैं ।
8. **पाटन मार्जिन:** इस बात के प्रथम दृष्टया पर्याप्त साक्ष्य हैं कि सम्बद्ध देशों में सामान्य मूल्य निवल निर्यात कीमत से काफी अधिक है, जिससे प्रथम दृष्टया यह संकेत मिलता है कि सम्बद्ध देशों के निर्यातकों द्वारा सम्बद्ध वस्तु का पाटन किया जा रहा है ।
9. **क्षति एवं कारणात्मक संबंध:** याचिकाकर्ताओं ने दावा किया है कि क्षति, खासकर तटवर्ती क्षेत्रों में क्षति इन क्षेत्रों में पाटित आयातों की उतराई के परिणामस्वरूप की गई कीमत में कमी के कारण हो रही है । यह बताया गया है कि दुलाई लागत, जो लागत हेतु प्रमुख संघटक है, के कारण पाटित आयातों से तटवर्ती क्षेत्रों में कीमत में भारी कटौती और घरेलू उद्योग की लाभप्रदता में कमी आई है । इससे घरेलू उद्योग पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ रहा है और इस प्रकार घरेलू उद्योग को सम्बद्ध वस्तु के पाटन के कारण वास्तविक क्षति हुई है । निर्दिष्ट प्राधिकारी के पास घरेलू उद्योग द्वारा इस सम्बद्ध में प्रथम दृष्टया साक्ष्य प्रस्तुत किया गया है ।
10. **पाटनरोधी जांच शुरू करना:** उपरोक्त पैराग्राफों को ध्यान में रखने हुए निर्दिष्ट प्राधिकारी सम्बद्ध देशों के मूल के अथवा वहाँ से निर्यातित सम्बद्ध वस्तु के आरोपित पाटन की मौजूदगी, मात्रा और उसके प्रभाव की पाटनरोधी जांच शुरू करते हैं ।

11. वर्तमान जांच के प्रयोजनार्थ जांच अवधि 1 जनवरी, 1999 से 30 जून, 2000 (18 माह) की है ।
12. **सूचना प्रस्तुत करना:** सम्बंधित समझे जाने वाले निर्यातकों और आयातकों तथा घरेलू उद्योग को अलग से लिखा जा रहा है ताकि वे निर्धारित प्रपत्र में और ढंग से संगत सूचना दायर कर सकें । वर्तमान जांच में शामिल होने की इच्छुक कोई अन्य पार्टी निम्नलिखित को सूचना प्रस्तुत कर सकती है:

निर्दिष्ट प्राधिकारी

(पाटनरोधी एवं सम्बद्ध शुल्क महानिदेशालय)

भारत सरकार

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय

उद्योग भवन

नई दिल्ली-110011

13. **समय सीमा:** वर्तमान जांच से संबंधित कोई भी सूचना लिखित रूप में दी जाए जो उपरोक्त पते पर निर्दिष्ट प्राधिकारी के पास इस अधिसूचना के प्रकाशित होने की तारीख से 40 दिनों के भीतर पहुँच जानी चाहिए । यदि निर्धारित समय-सीमा के भीतर कोई सूचना प्राप्त नहीं होती है अथवा प्राप्त हुई सूचना अधूरी है तो प्राधिकारी उपरोक्त नियमों के अनुसार रिकार्ड में उपलब्ध तथ्यों के आधार पर अपने निष्कर्ष दर्ज कर सकता है ।
14. **सार्वजनिक फाइल का निरीक्षण** नियम 6(7) के अनुसार, कोई भी हितबद्ध पार्टी उस सार्वजनिक फाइल का निरीक्षण कर सकती है जिसमें अन्य हितबद्ध पार्टियों द्वारा प्रस्तुत किए गए साक्ष्यों के अगोपनीय अंश रखे गए हैं ।
15. यदि कोई हितबद्ध पार्टी आवश्यक सूचना जुटाने से मना करती है या उचित समयावधि के भीतर उसे अन्यथा उपलब्ध नहीं कराती है अथवा जांच में अत्यधिक बाधा डालती है तो प्राधिकारी अपने पास उपलब्ध तथ्यों के आधार पर निष्कर्ष दर्ज कर सकता है तथा केन्द्रीय सरकार को यथोचित सिफारिशें कर सकता है ।

एल. वी. सप्तऋषि, निर्दिष्ट प्राधिकारी

MINISTRY OF COMMERCE AND INDUSTRY
(Department of Commerce)

(DIRECTORATE GENERAL OF ANTI-DUMPING & ALLIED DUTIES)

INITIATION NOTIFICATION

New Delhi, the 6th December, 2000

Subject: Initiation of anti-dumping investigation concerning import of White Cement originating in or exported from United Arab Emirates (UAE) and Iran.

64/1/2000—DGAD.—M/s. Grasim Industries Ltd., and M/s. JK Synthetics Limited have filed a petition for initiation of anti dumping investigation concerning the import of White Cement from the United Arab Emirates and Iran in accordance with Rule 5(1) of the Customs Tariff (Identification, Assessment and Collection of Anti Dumping Duty on Dumped Articles and for Determination of Injury) Rules 1995.

2. **Domestic Industry:** The petition has been filed by M/s. Grasim Industries Ltd., and M/s. JK Synthetics Limited on behalf of the domestic industry. The petitioners have averred that there is one more producer of the product, M/s. TCL Ltd., Kerala. The petitioner's production of White cement accounts for more than 90% of the total production in the country and therefore have a standing to file the petition on behalf of domestic industry under the Rules above said.

3. **Product Involved:** The product involved is "white portland cement" which is normally referred to as "white cement". It is a construction material and used for non structural purposes such as flooring of tiles, cement based exteriors, paints and cement varnish etc. This falls within Chapter 25 of the Custom Tariff Act under the sub-heading 2523.21. The Custom classification is indicative only and not binding on the scope of investigation.

4. **Countries involved:** The petitioners have provided evidence of dumping of the product involved from the UAE and Iran (hereinafter referred to as subject countries) and have requested for initiation of investigation against these countries.

5. **Like Article:** The petitioners have claimed that the goods produced by them are 'like article' to the goods exported, originating in or exported from the subject territory. Therefore, for the purpose of investigation, the goods produced by the petitioners are being treated as 'like articles' of White cement (hereinafter referred to as subject goods) imported from the subject territory within the meaning of the Rules.

6. **Normal Value:** The petitioner has claimed normal value based on the constructed cost of production of the subject goods. Sufficient *prima facie* evidence has been presented to the Designated Authority with regard to the normal value of White cement in subject countries

7. **Export Price:** The export price has been claimed on the basis of the data compiled by the Director General Commercial Intelligence & Statistics, Calcutta. Price adjustments have been claimed on account of landing charges, ocean freight, marine insurance, commission, port handling etc., to arrive at net export price. There is sufficient evidence of export price and the adjustments claimed for the subject goods from subject countries.

8. **Dumping Margin:** There is sufficient prima facie evidence that the normal value of the subject goods in the subject countries is significantly higher than the net export price indicating prima facie that the subject goods are being dumped by the exporters from the subject countries.

9. **Injury and Causal Link:** The petitioners have claimed that injury is being caused, especially in the coastal areas on account of price suppression resulting from dumped imports landing in these areas. It has been stated that because of the transportation costs being the major component for the cost, the dumped imports have led to severe price under cutting and erosion in the profitability for the domestic industry in the coastal areas. This is adversely affecting the domestic industry and as such the domestic industry has suffered material injury on account of dumping of the subject goods. *Prima facie* evidence on this account has been furnished to the Designated Authority by the domestic industry.

10. **Initiation of Anti Dumping Investigation:** The Designated Authority, in view of the foregoing paragraphs, initiates anti dumping investigations into the existence, degree and effect of alleged dumping of the subject goods originating in or exported from the subject countries.

11. The period of investigation for the purpose of present investigations is 1st January 1999 to 30th June, 2000 (18 months).

12. **Submission of Information:** The exporters and importers known to be concerned and domestic industry are being informed separately to enable them to file all information relevant in the form and manner prescribed. Any other party interested to participate in the present investigation may write to:

The Designated Authority
(Directorate General of Anti-Dumping & Allied Duties)
Government of India
Ministry of Commerce & Industry
Udyog Bhavan
New Delhi-110011

13. **Time Limit:** All information relating to this investigation should be sent in writing so as to reach the Authority at the above address not later than 40 days from the date of publication of this notification. If no information is received within the prescribed time limit or the information received is incomplete, the Authority may record their findings on the basis of the facts available on record in accordance with the Rules supra.

14. **Inspection of Public File:** In terms of Rule 6 (7), any interested party may inspect the public file containing non-confidential version of the evidence submitted by other interested parties.

15. In case where an interested party refuses access to, or otherwise does not provide necessary information within a reasonable period, or significantly impedes the investigation, the Authority may record its findings on the basis of the facts available to it and make such recommendations to the Central Government as deemed fit

L V SAPTHARISHI, Designated Authority

